



हिमाचल प्रदेश जायका कृषि परियोजना-II

विशेष दैनिक डायरी
हमीरपुर: 19 मई 2026



**एस.एच.जी. एवं एफ.पी.ओ. गठन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित;
एसपीएमयू टीम ने सब्जी विकास केंद्र बैरटी का दौरा किया
डॉ. सुनील चौहान ने एस.एच.जी एवं एफ.पी.ओ. के शीघ्र गठन पर दिया जोर**



सोलन, 18 मई:

स्वयं सहायता समूहों (SHGs) एवं किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) के गठन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम यहां सोमवार (18 मई, 2026) को आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में बीपीएम-सोलन युवराज तथा बीपीएम-नाहन पवन सहित उनका विस्तार स्टाफ डी.पी.एम.यू. कार्यालय में उपस्थित रहा।

एच.पी.सी.डी.पी परियोजना-II के उप परियोजना-निदेशक डॉ. राजेश कुमार, डीपीएम-सोलन डॉ. राजेंद्र ठाकुर, एफपीओ विशेषज्ञ-पीएमसी सुदर्शन सूर्यवंशी तथा आजीविका विशेषज्ञ-पीएमसी पिकी शर्मा ने अलग-अलग सत्रों में प्रशिक्षण दिया।

अपनी संप्रेषित टिप्पणी में परियोजना

निदेशक डॉ. सुनील चौहान ने एसएचजी एवं एफपीओ गठन कार्य की क्षमता निर्माण तथा नियमित मॉनिटरिंग को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करने पर बल दिया।

प्रशिक्षण के दौरान पिकी शर्मा द्वारा स्वयं सहायता समूहों के गठन की अवधारणा, अतिरिक्त आजीविका सृजन, विभिन्न प्रोटोकॉल, अभिलेख संधारण, मासिक बैठकें, नियमित बचत आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई।

नाहन एवं रामपुर बीपीएमयू क्षेत्रों में एफपीओ गठन के लिए किसानों के समान रुचि समूहों (CIGs) की पहचान को लेकर भी चर्चा की गई।

उप परियोजना निदेशक डॉ. राजेश कुमार ने प्रत्येक घटक की उप-परियोजना

आधारित माइक्रो प्लानिंग तथा निर्धारित बजट उपयोग में कमी का उल्लेख करते हुए विस्तार कर्मचारियों को क्षेत्र में नए विचारों के साथ सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। विशेषज्ञों ने यहां निकट बैरटी स्थित सब्जी विकास केंद्र (VDS) का भी दौरा किया, जहां वलाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर कार्यक्रम के अंतर्गत M2Labo एवं उससे संबद्ध संस्थाओं द्वारा हाई-पॉलीहाउस में की जा रही खेती की प्रगति का अवलोकन किया गया।

दौर के दौरान टीम ने पॉलीहाउस में मिट्टी के भौतिक-रासायनिक गुणों तथा जलवायु संबंधी मानकों के स्वचालित प्रबंधन (Automation) की स्थिति के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

